संकलित परीक्षा – I (2013)

हिन्दी 'अ'

कक्षा – IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं – क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड: क (अपठित बोध)

1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए- 5

साहित्य का आधार जीवन है। इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी होती है। उसकी अटारियाँ, मीनार और गुंबद बनते हैं। लेकिन बुनियाद मिट्टी के नीचे दबी पड़ी है। जीवन परमात्मा की सृष्टि है, इसलिए सुबोध है, सुगम है और मर्यादाओं से परिमित है। जीवन परमात्मा को अपने कामों का जवाबदेह है या नहीं हमें मालूम नहीं, लेकिन साहित्य तो मनुष्य के सामने जवाबदेह है। इसके लिए कानून हैं, जिनसे वह इधर-उधर नहीं जा सकता। मनुष्य जीवन-पर्यंत आनन्द की खोज में लगा रहता है। किसी को वह रत्न द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में, किसी को लम्बे-चौड़े भवन में, किसी को ऐश्वर्य में। लेकिन साहित्य का आनन्द इस आनन्द से ऊँचा है। उसका आधार सुंदर और सत्य है। वास्तव में सच्चा आनन्द सुन्दर और सत्य से मिलता है, उसी आनंद को दर्शाना, वही आनन्द उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है।

(i) साहित्य और जीवन का यह सम्बन्ध है कि, –

(क) जीवन का आधार साहित्य है। (ख) जीवन साहित्य की दीवार है।

(ग) साहित्य का आधार जीवन है। (घ) साहित्य का आनंद जीवन से ऊँचा है।

13 (ii) साहित्य के आनंद का आधार निहित है, -

(क) सुंदर और सत्य में। (ख) जीवन के मूल्यों में।

(ग) रत्न द्रव्य में। (घ) परमात्मा में।

(iii) मनुष्य जीवन पर्यंत जिसकी खोज में लगा रहता है वह है केवल, -

(क) परमात्मा और मोक्ष।

(ख) आनंद की अनुभूति।

(ग) साहित्य की सर्जना।

13 (घ) रत्न द्रव्य, भरा पूरा परिवार, लम्बा-चौड़ा भवन और ऐश्वर्य।

(iv) जीवन जिसके सामने जवाबदेह होता है, वह है, -

(क) मनुष्य (ख) जीवन स्वयं

(ग) परमात्मा (घ) परिवार

14 (v) 'लंबे-चौड़े' में समास है, -

(क) बहुव्रीहि समास (ख) कर्मधारय समास

15 (ग) द्वंद्व समास (घ) द्विगु समास

2 अनुशासन का भी एक अनोखा आनंद है। खेल के मैदान में यदि हर एक खिलाड़ी अपने अपने मन की क जिसका जी करे उधर गेंद फेंके, जब चाहे खेले, जब चाहे न खेले, तो बताइए उस खेल में कितनों को आनंद नि:संदेह कोई भी खिलाड़ी ऐसी मनमर्जी को पसंद नहीं करेगा। यदि इसी का नाम आजादी है तो असली उसके बदले नियम के बंधन को हजार गुना अधिक अच्छा समझेंगे। इस बंधन में खेल का आनंद है। व मनमानी में कहाँ, नियम के अनुसार जीतने में मज़ा है और हारने मं भी खुशी है। कानून के अनुसार स्वयं हा भी जितना संतोष है वह खिलाड़ी ही जानता है। इसलिए वहाँ बंधन में रहना बहादुरी माना जाता है। नियम दिमाग का बंधन है। कई खेलों में तो टाँगें या हाथ भी बाँध दिए जाते हैं। बाँधे अंगों में कमाल की दौड़ होती जो जीतता है उसके लिए खुशी की तालियाँ पीटी जाती हैं। इसके विपरीत जो खिलाड़ी नियम तोड़ता है वह है। उसे दंड मिलता है।

(क) हर क्षेत्र में अनोखा आनंद प्रदान करता है -

(i) अनुशासन (ii) अनुशासनहीन आचरण (iii) मनमानापन (iv) कार्य करना

(ख) जीतने में मज़ा और हारने में खुशी तब मिलती है जब दूसरे के अधीन -

(i) नियम के अनुसार कार्य हो। (ii) अपनी मनमर्जी से काम किया जाए।

(iii) दूसरों की इच्छा से काम करें। (iv) नियम के विरूद्ध कार्य किया जाए।

(ग) कानून के अनुसार स्वयं हार जाने में भी भरपूर संतोष करके आनंद प्राप्त करता है, -

(i) खेल का कप्तान। (ii) खिलाड़ी स्वयं।

(iii) अम्पायर। (iv) प्रायोजक।

(घ) कई खेलों में तो टाँगे या हाथ भी -

(i) खोल दिए जाते हैं । (ii) बाँध दिए जाते हैं ।

(iii) छोड़ दिये जाते हैं । (iv) पकड़ लिए जाते हैं ।

(ङ) उस खिलाड़ी को दंड मिलता है जो-

(i) नियम तोड़ता है । (ii) नियम का पालन करता है ।

(iii) नियम के प्रति उदासीन रहता है। (iv) पराजित होता है ।

3 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए।** 5

ज़िन्दगी वहीं तक नहीं, ध्वजा जिस जगह विगत युग ने गाड़ी,

मालूम किसी को नहीं, अनागत नर की दुविधाएँ सारी,

सारा जीवन नप चुका, कहे जो, वह दासता-प्रचारक है,

नर के विवेक का शत्रु, मनुज की मेधा का संहारक है।

जो कहे, सोच मत स्वयं, बात जो कहूँ, मानता चल उसको,
नर की स्वतंत्र चिंतन मणि का तू कह अराति प्रबल उसको।
नर के स्वतंत्र चिन्तन से जो डरता, कदर्य, अविचारी है,
बेड़ियाँ बुद्धि को जा देता, जुल्मी है, अत्याचारी है।

लक्ष्मण-रेखा के दास तटों तक ही जाकर फिर जाते हैं,
वर्जित समुद्र में नाव लिए स्वाधीन वीर ही जाते हैं,
आज़ादी है अधिकार खोज की नई राह पर आने का,
आज़ादी है अधिकार नए द्वीपों का पता लगाने का।

(1) आज़ादी किसका अधिकार है ?

(क) जीवन के नए मार्ग खोजने वालों का

(ख) लक्ष्मण - रेखा के दास लोगों का

(ग) स्वतंत्रता न चाहने वालों का

(घ) गुलामी का जीवन जी रहे लोगों का

(2) किसी को क्या नहीं मालूम है ?

(क) नर की दुविधाएँ (ख) नर की सुविधाएँ (ग) जीवन का उद्देश्य (घ) नई खोज

(3) ज़िन्दगी कहाँ तक सीमित नहीं है ?

(क) सौ सालों तक

(ख) जहाँ विगत युग की ध्वजा गाड़ दी गई

(ग) पुरानी बातों तक

(घ) काली रातों तक

(4) क्या करने को कहा जा रहा है ?

(क) बात न मानना। (ख) बिना सोच-विचार किए बात मानना। (ग) बात करना। (घ) बात कहना।

(5) वर्जित समुद्र में कौन नाव लिए जाता है ?

(क) नाविक। (ख) मछुआरा।

(ग) स्वाधीन वीर। (घ) सैलानी।

4 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए।** 5

खड़ा मंच ललकार रहा, महका माहौल हमारा है,
नज़र लगा मत अरे मुशर्रफ, यह कश्मीर दुलारा है।
कानन-उपवन-पर्वत-पानी, लहकी-लहकी घाटी में,
झीलों में तिरती फसलों की सँवरी-सोंधी माटी में,
नौका-निर्मित आवासों के स्नेहिल मधु-मुसकानों में
पुरखों की संस्कृति में गमका कण-कण है परिपाटी में,
कदम बढ़ा, नापाक भूमि पर, टांग तोड़ बिथका देंगे,
जगमग-ज्योति-किरण-कवलित नयनों का सुधर सितारा है।
यह कश्मीर दुलारा है।

(1) 'जगमग-ज्योति-किरण-कवलित नयनों का सुधर सितारा है' - इस काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है-

(क) यमक (ख) श्लेष (ग) अनुप्रास (घ) रूपक

(2) झील में क्या तिरते हैं ?

(क) लोगों की सवारी (ख) फसलों की सवारी (ग) मछलियाँ (घ) नौका

(3) कश्मीर कैसा है ?

(क) दुलारा (ख) सुंदर (ग) प्यारा (घ) असुंदर

(4) आवास किस तरह के बने थे ?

(क) ऊँची (ख) नौका के तरह (ग) चौकोर (घ) जहाज जैसे

(5) कदम कहाँ बढ़ाए गए ?

(क) घर पर (ख) बाहर (ग) पहाड़ पर (घ) भूमि पर

खंड: ख (व्यवहारिक व्याकरण)

5 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(क) 'कुविचार' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'चिर' उपसर्ग लगाकर एक शब्द बनाइए।

(ग) 'पठनीय' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

(घ) 'हारा' प्रत्यय से एक शब्द बनाइए।

निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए ।

(i) राष्ट्रपति (ii) नवरत्न (iii) गोपाल

6 **(i) अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों की पहचान के उनके भेद लिखिए।**

(क) सीता गा रही है।

(ख) वाह! कितना सुंदर दृश्य है।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

(क) वह हरिद्वार जाएगा।(प्रश्नवाचक)

(ख) वर्षा आनेवाली है। (संदेहवाचक)

7 **निम्नलिखित पद्यांशों में अलंकारों को पहचान कर उनके नाम भी लिखिए —** 4

(क) मैया मैं तो चंद्र खिलौना लैहों।
(ख) हाय फूल-सी कोमल बच्ची।
(ग) मेघ आए बन ठन के सँवर के।
(घ) आगे नदिया पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार।
राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार।।

खंड: ग (पाठ्य-पुस्तक)

8 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5

हमारी नई संस्कृति अनुकरण की संस्कृति है। हम आधुनिकता के झूठे प्रतिमान अपनाते जा रहे हैं। प्रतिष्ठा की अंधी प्रतिस्पर्धा में जो अपना है उसे खोकर छद्म आधुनिकता की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। संस्कृति की नियत्रक शक्तियों के क्षीण हो जाने के कारण हम दिग्भ्रमित हो रहे हैं। हमारा समाज ही अन्य निर्देशित होता जा रहा है। विज्ञापन और प्रसार के सूक्ष्म तंत्र हमारी मानसिकता बदल रहे हैं।

(i) 'अनुकरण' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए नई संस्कृति की दो विशेषताएँ बताइए ।

(ii) 'छद्म आधुनिकता' किसे कहते हैं ? उसका समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है ?

(iii) विज्ञापन और प्रसार के तंत्र में न फँसकर हम क्या करें ?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2x5)

9(i) व्यक्ति केंद्रिकता का स्वरूप उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2

9(ii) छोटी बच्ची हीरा और मोती को रोटियाँ क्यों खिलाती थी ? 2

9(iii) सालिम अली से प्रभावित होकर आप पर्यावरण को बचाने में क्या योगदान कर सकते हैं ? 2

9(iv) लेखक राहुल सांकृत्यायन लङ्कोर के मार्ग में अपने साथियों से पिछड़ कर साथियों के पास किस प्रकार आ पाये ? 2

9(v) लेखक राहुल सांकृत्यायन को भिखमंगे का वेश बनाकर तिब्बत में यात्रा क्यों करनी पड़ी? 2

10 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** 5

क्यों हूक पड़ी ?

वेदना बोझ वाली-सी,

कोकिल बोलो तो !

क्या लुटा ?

मृदुल वैभव की

रखवाली-सी,

कोकिल बोलो तो !

क्या हुई बावली ?

अर्द्धरात्रि को चीखी,

कोकिल बोलो तो !

किस दावानल की

ज्वालाएँ हैं दीखीं ?

कोकिल बोलो तो !

(क) कवि कोयल से क्या जानना चाहता है ?

(ख) कवि ने 'दावानल की ज्वालाएँ' किसे माना है और क्यों ?

(ग) कवि ने कोयल की 'कूक' को 'हूक' क्यों कहा है ?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2x5)

11(i) कोयल के द्वारा रात को जेल के प्रांगण के बाहर बोलने के पीछे कवि ने क्या सम्भावनाएं बताई हैं? 2

11(ii) कवि ने हरियाली को सुख से अलसाई क्यों कहा है ? 'ग्रामश्री' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए। 2

11(iii) संसार की तुलना स्वान से करके कबीर क्या सिद्ध करना चाहते हैं ? बताइए। 2

11(iv) ललद्यद ने ईश्वर का वास कहाँ बताया है और उसे किस नाम से संबोधित किया है ? 2

11(v) रसखान तीनों लोकों का राज्य किसके बदले त्याग देने को तैयार है ? 2

12 बीमार नौजवान के नाव से उतरते ही कुत्ता भी पानी में उतर गया। दोनों ने परस्पर प्रेम के कारण ऐसा किया। हमें उनके इस व्यवहार से क्या शिक्षा मिलती है ? 5

खंड: घ (लेखन)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए।

13(i) **परोपकार** 10

संकेत बिंदु

- अर्थ
- परोपकार के कुछ उदाहरण
- मनुष्यता की पहचान
- जीवन में सार्थकता
- आत्मिक सुख

अथवा

9(v) लेखक राहुल सांकृत्यायन को भिखमंगे का वेश बनाकर तिब्बत में यात्रा क्यों करनी पड़ी? 2

10 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** 5

क्यों हूक पड़ी ?

वेदना बोझ वाली-सी,

कोकिल बोलो तो !

क्या लुटा ?

मृदुल वैभव की

रखवाली-सी,

कोकिल बोलो तो !

क्या हुई बावली ?

अर्द्धरात्रि को चीखी,

कोकिल बोलो तो !

किस दावानल की

ज्वालाएँ हैं दीखीं ?

कोकिल बोलो तो!

(क) कवि कोयल से क्या जानना चाहता है ?

(ख) कवि ने 'दावानल की ज्वालाएँ' किसे माना है और क्यों ?

(ग) कवि ने कोयल की 'कूक' को 'हूक' क्यों कहा है ?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2x5)

11(i) कोयल के द्वारा रात को जेल के प्रांगण के बाहर बोलने के पीछे कवि ने क्या सम्भावनाएं बताई हैं? 2

11(ii) कवि ने हरियाली को सुख से अलसाई क्यों कहा है ? 'ग्रामश्री' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए। 2

11(iii) संसार की तुलना स्वान से करके कबीर क्या सिद्ध करना चाहते हैं ? बताइए। 2

11(iv) ललद्यद ने ईश्वर का वास कहाँ बताया है और उसे किस नाम से संबोधित किया है ? 2

11(v) रसखान तीनों लोकों का राज्य किसके बदले त्याग देने को तैयार है ? 2

12 बीमार नौजवान के नाव से उतरते ही कुत्ता भी पानी में उतर गया। दोनों ने परस्पर प्रेम के कारण ऐसा किया। हमें उनके इस व्यवहार से क्या शिक्षा मिलती है ? 5

खंड: घ (लेखन)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए।

13(i) परोपकार 10

संकेत बिंदु

- अर्थ
- परोपकार के कुछ उदाहरण
- मनुष्यता की पहचान
- जीवन में सार्थकता
- आत्मिक सुख

अथवा